गुरू मुरारी ने मैं करदी मालो माल हरियाणवी भजन

गुरू मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

सुपने में प्रतिदिन आव:,
सुपने में प्रतिदिन आव:,
आ क मन्नै वो समझाव:,
हो री सुँ खुश हाल,
गूरु मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

सास नन्द ताने मारं सं,
सास नन्द ताने मारं सं,
कह क बांझ मन्नै पुकारं सं,
गुरू ने दे दिया लाल,
गूरु मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

आए साल मैं दर प जाऊँ,
आए साल मैं दर प जाऊँ,
भण्डारा जगराता कराऊँ,
ले क गुरू का नाम,
गूरु मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

धज्जा नारियल लाल लंगोटा,
धज्जा नारियल लाल लंगोटा,
लया राखया गुरूआं का सोटा,
लयाई चोला लाल,
गूरु मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

अर्जुन स्वामी का मानूँगी स्यान,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अर्जुन स्वामी का मानुँगी स्यान,
दिखा दिया समचाणा धाम,
गुरू कर: कमाल,
गूरु मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

गुरू मुरारी ने,
मैं करदी मालो माल।bd।

प्रेषक – राकेश कुमार खरक जाटान
9992976579

---

video not available..

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com